मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 02, मुंबई, सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

भाईजान की 'जान' को खतरा

सलमान खान को फिर मिली धमकी, व्हाट्सएप पर भेजा मैसेज– कार को बम से उड़ा देंगे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर से धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली में स्थित परिवहन विभाग के व्हाट्सएप नंबर पर एक्टर के लिए धमकी भरा मैसेज किया गया। जिसमें सलमान खान को घर में घुसकर मारने और उनकी कार को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मैसेज भेजने वाले अज्ञात शख्स के खिलाफ वर्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। धमकी को लेकर फिलहाल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। सलमान खान और उनकी फैमिली की तरफ से भी कोई रिएक्शन नहीं आया है। एक्टर के फैंस ये खबर पढ़ने के बाद चिंतित हो गए हैं। उन्हें अपने चहेते भाईजान की टेंशन होने लगी है। इससे पहले भी सलमान को कई बार धमकी मिल चुकी है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ की तरफ से कई बार एक्टर को धमकाया जा चुका है। उनके पनवेल स्थित फार्म हाउस की रेकी तक की गई थी। लेकिन टाइट सिक्योरिटी की वजह से ये हमला टल गया था। लगातार मिल रही इन धमकियों के बावजूद सलमान खान अपने काम को लेकर एक्टिव रहे। उन्होंने अपने काम से समझौता नहीं किया

एफडी कराने वालों को... झटका

आरबीआई ने घटाई ब्याज दरें, 15 अप्रैल से होंगी लागू

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 3 करोड़ से कम की खुदरा टर्म डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। बैंक ने 1 साल से लेकर 3 साल तक की अवधि की एफडी पर ब्याज दरों में 10 बेसिस प्वाइंट यानी 0.10% की कटौती की है। हालांकि, कुछ अन्य अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें 15 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अप्रैल की मौद्रिक नीति में रीपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती के बाद लिया है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

'चाचा को भरोसा दिलाना पड़ता है'

अजित ने शरद पवार पर कसा तंज, महाराष्ट्र की सियासत में शुरू हुई चर्चा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बारामती में एक कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अचानक अपने चाचा का नाम लिया। उन्होंने बयान दिया कि चाचा को विश्वास में लिए बिना वे आगे नहीं बढ़ सकते और एक बार फिर बारामती में अजित पवार के बयान की चर्चा हुई। शनिवार को ही उपमुख्यमंत्री अजित पवार और वरिष्ठ नेता व रयत शिक्षण संस्था के अध्यक्ष खा. शरद पवार एक ही मंच पर एक साथ बैठे नजर आए। यह घटना अभी ताजा ही थी कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के इस बयान ने कि चाचा को विश्वास में लेना पड़ता है, यह बयान दिया तो लोग इसमें राजनीतिक संकेत ढूंढने लगे हैं। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

5 साल में करीब 1,000 मिनट ठप रहा यूपीआई!

भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली में फिर समस्या, लेनदेन में रुकावट से यूजर्स परेशान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश की रियल-टाइम भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को इस साल 12 अप्रैल को दो सप्ताह से अधिक समय में चौथी बार समस्या का सामना करना पड़ा। नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने लेनदेन विफल होने के लिए तकनीकी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया है। एनपीसीआई से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मार्च 2020 से मार्च 2025 तक 17 मामलों में यूपीआई कुल मिलाकर 995 मिनट तक ठप रहा। अगर इस साल अप्रैल के दो मामलों को भी शामिल कर लें तो मार्च 2020 से अभी तक यूपीआई 1,000 मिनट से अधिक समय तक ठप रहा। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार मार्च में यूपीआई लेनदेन में 47.25 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ फोनपे शीर्ष पर है। दूसरे नंबर पर 36.04 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ गूगल पे है। पेटीएम की हिस्सेदारी 6.67 फीसदी है। शीर्ष दो कंपनियों के पास कुल मिलाकर 83 फीसदी से अधिक बाजार हिस्सेदारी है जबकि पेटीएम को भी जोड़ लें तो तीनों फिनटेक फर्मों के पास 90 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अपनी ताकत का अहसास

तमिलनाडु में ईके पलनीसामी एडीएमके-भाजपा गठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। साफ है, दोनों दल अपनी चुनावी ताकत को लेकर सचेत हैं। उधर बिहार में कांग्रेस नेताओं के बयान कुछ अलग ही संकेत दे रहे हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभी साल भर बाकी हैं, जबकि भाजपा ने अन्ना डीएमके के साथ अपने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है। इसके बावजूद है कि इस सदी में दोनों पार्टियों के बीच गठजोड़ का तजुर्बा बहुत अच्छा नहीं रहा है। लगे हाथ ये एलान भी कर दिया गया है कि एरापडी के. पलनीसामी एडीएमके- भाजपा गठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। साफ है, दोनों दल अपनी चुनावी ताकत को लेकर सचेत हैं। उन्हें अहसास है कि अकेले लड़ते हुए वे डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के सामने कमजोर पड़ेंगे। उन्होंने पर्याप्त समय पहले हाथ मिलाने का फैसला किया है, ताकि दोनों दलों को जमीनी स्तर पर तालमेल बनाने और साझा तैयारियों का वक्त मिल सके। अब बिहार पर नजर डालें, जहां छह महीनों में चुनाव होना है। कांग्रेस नेतृत्व को कुछ समय पहले आकर यह अहसास हुआ कि बिहार में वह अपनी ताकत समेट पाए, तो ना सिर्फ सत्ताधारी एनडीए, बल्कि अपने गठबंधन सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के सामने भी मजबूती खड़ा हो सकती है। तो उसने राजनीतिक गतिविधियां शुरू कीं। उसी वोट बैंक में जगह बनाने की जद्दोजहद में जुटी, जिस पर आरजेडी का दावा माना जाता है। दो रोज पहले कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने पटना जाकर कहा कि गठबंधन चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री तय करेगा। जबकि आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद कई बार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बता चुके हैं। ऐसे तमाम संकेत हैं कि तेजस्वी भी खुद को गठबंधन का स्वाभाविक नेता मानते हैं। बिहार के राजनीतिक समीकरणों के बीच यह अस्वाभाविक भी नहीं है। अस्वाभाविक कांग्रेस की अंतिम दौर में शुरू हुई गतिविधियां, अपनी ताकत का अयथार्थ आकलन, और गठबंधन के चेहरे को लेकर विवाद खड़ा करना है। स्पष्टतः कांग्रेस नेतृत्व ने महाराष्ट्र और हरियाणा के पिछले विधानसभा चुनावों में अपनी हार से कोई सबक नहीं सीखा है। ना ही उसे अहसास है कि हाल में स्थानीय निकाय चुनावों में उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ एवं हरियाणा में उसे शून्य सीटें मिलीं। ये प्रकरण व्यावहारिक राजनीति में आज की भाजपा और कांग्रेस के अंतर को स्वंय स्पष्ट कर देते हैं।

भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर एक महान समाज सुधारक

लेख, डॉ, शाहिदा मुनाफ

डॉ. भीमराव अंबेडकर एक ऐसी महान शख्सियत का नाम है जो भारत के संविधान के निमार्ता हैं। वे एक साथ शिक्षा के अग्रदूत, एक अच्छे लेखक, प्रतिभाशाली बैरिस्टर, एक दार्शनिक, अर्थशास्त्री, उच्च कोटि के संपादक और दलितों व वंचितों के हमदर्द तथा एक सच्चे समाजसेवी व देशभक्त थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन दलितों, जरूरतमंदों, किसानों और महिलाओं की भलाई और उन्नति के लिए समर्पित कर दिया। इसीलिए दलितों और कमजोर माने जाने वाले लोगों और जागरूक समाज में डॉ. बाबा साहब अंबेडकर को बहुत ऊँचा स्थान दिया जाता है और कुछ लोग तो उन्हें भगवान मानते हैं।

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का पूरा नाम भीमराव रामजी अंबेडकर था। उनके पिता रामजी सकपाल भारतीय सेना में सेवा करते थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू, मध्य प्रदेश में हुआ था। बाबा साहब को बचपन से ही पढ़ाई का बहुत शौक था और वे एक मेधावी छात्र थे। उनकी शिक्षा एल्फिंस्टन कॉलेज मुंबई, कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में हुई। साथ ही उन्होंने बैरिस्टर की डिग्री भी हासिल की। डॉ. भीमराव अंबेडकर को किताबों से बहुत लगाव था। उन्होंने अपनी निजी लाइब्रेरी बनाई थी जिसमें हजारों किताबों का संग्रह था। वे एक उच्च कोटि के शोधकर्ता और लेखक भी थे। उनके कई शोधपत्र, लेख और पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर मानवता को अपना धर्म मानते थे। वे जात-पात के भेदभाव के खिलाफ थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, अछूतों, दलितों, किसानों और समाज के निचले तबके के लोगों के लिए समर्पित कर दिया। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जनता के सच्चे हमदर्द, मित्र, मार्गदर्शक और सेवक थे। उन्होंने शिक्षा को प्रगति की कुंजी बताया और शिक्षा को ही अपना संघर्ष, मिशन और आंदोलन बनाकर देश के लोगों में जागरूकता पैदा की। वह भारत माता के ऐसे सपूत थे जिन्होंने अपने समाज को जातिवाद, शोषण और अंधकार से बाहर निकाला और उन्हें गौरव दिलाया। इसीलिए आज उनके अनुयायी उन्हें 'बाबा साहब' के

नाम से बड़े सम्मान से पुकारते हैं। और क्यों न करें, उन्होंने अपने लोगों को जुल्म और गुलामी से आजादी दिलाई और उनकी ज़िंदगी को खुशहाल बनाने की राह दिखाई। अगर उनके अनुयायी शिक्षा और ईमानदारी की राह को अपना लें और बाबा साहब की शिक्षाओं को अपने जीवन का उद्देश्य बना लें, तो वे कभी भी भटक नहीं सकते। डॉ. बाबा साहब एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने जातिवाद को मिटाने, किसानों और मजदूरों को उनका हक दिलाने के लिए कई आंदोलनों की शुरूआत की। महाड़ तालाब का पानी हो, कालाराम मंदिर का मामला हो या किसानों का आंदोलन झ हर जगह उन्होंने वंचितों, दलितों और गरीबों का साथ दिया। वे जनता के मसीहा बन चुके थे। सन 1936 में वे बॉम्बे लेजिस्लेटिव असेंबली के सदस्य चुने गए। वे एक कुशल और अनुभवी संपादक भी थे। उन्होंने अपनी कौम की आवाज बुलंद करने के लिए कई अखबार और पत्रिकाएं प्रकाशित कीं, जिनमें मूक नायक, बहिष्कृत भारत, जनता और समता आदि प्रमुख हैं। डॉ. साहब नारी शिक्षा के समर्थक थे। वे कहते थे कि किसी देश की तरक्की का अंदाजा वहां की शिक्षित महिलाओं से लगाया जा सकता है। उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों की नींव रखी, जिसका लाभ यह हुआ कि उनके समाज की स्थिति अब तरक्की की राह पर है। उनके अनुयायी उन्हें अपना मार्गदर्शक, मसीहा और देवता मानते हैं, और उनकी शिक्षा, संघर्ष और विचारधारा को अपनाकर एकजुट होकर अपने जीवन में बदलाव ला रहे हैं। इससे उनकी ज़िंदगी में सुख-शांति, संस्कृति और धार्मिक सहिष्णुता बढ़ रही है। डॉ. बाबा साहब ने अपने अनुयायियों को एक मंत्र दिया थाः

शिक्षा प्राप्त करो, संगठित होओ और संघर्ष करो।

वे कहते थेः

शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वही दहाड़ेगा।

और शिक्षा को तो हर धर्म और संप्रदाय में उच्च स्थान दिया गया है। अल्लाह की पाक किताब कुरान की पहली सूरत हैः

'इकरा बिस्मे रब्बिकल्लजी' (पढ़ो अपने रब के नाम से जिसने तुम्हें पैदा किया)।

इसलिए आज हमारी कौम और देश को शिक्षा रूपी इस उच्च आभूषण की सबसे ज्यादा आवश्यकता है, ताकि हमारे समाज में जागरूकता आए और देश तरक्की करे। डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब की शिक्षाओं, सेवाओं और बलिदानों के बदले में उन्हें सन 1990 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। और उनकी सेवाओं की याद में हर साल 14 अप्रैल को पूरे भारतवर्ष में डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। जगह-जगह कार्यक्रम होते हैं, जुलूस निकाले जाते हैं। डॉ. बाबा साहब एक महान नेता, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और कानून के जानकार थे। इसीलिए आजादी के बाद उन्हें भारत का पहला कानून मंत्री बनाया गया। भारत के संविधान के निर्माण में डॉ. बाबा साहब का बड़ा योगदान है। वे संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष चुने गए थे। उन्होंने देश-विदेश जाकर अमेरिका, रूस, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड जैसे देशों के कानूनों का गहराई से अध्ययन किया और भारत जैसे विविध धर्मों, समाजों और परंपराओं वाले देश के लिए अथक मेहनत और लगन से संविधान तैयार किया। इस महान नेता, समाजसेवी और भारत के संविधान निमार्ता विश्व रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर को बारंबार सलाम।

'आती ही रहेगी तेरे अनफास की खुशबू,
गुलशन तेरी यादों का महकता ही रहेगा।'

हमलोगों के बिच संघर्ष के साथी उत्तर बिहार के किसान कांग्रेस कमेटी के लोकप्रिय अध्यक्ष श्री हिमांशु कुमार जी आखिरकार जिवन के संघर्ष हार ही गएः अकिल अंजुम सिनियर लिडर कांग्रेस पार्टी

मधुबनी। आज हमलोगों के बीच संघर्ष के साथी उत्तर बिहार किसान कांग्रेस कमिटी के लोकप्रिय अध्यक्ष श्री हिमांशु कुमार जी आखिरकार जीवन का संघर्ष हार ही गए पिछले कुछ महीनों से दिल्ली में इलाज करा रहे थे 27 मार्च को दिल्ली से मधुबनी के हेरिटेज अस्पताल आ गए थे ,मैने 28 मार्च को उनसे मिला और अपने फेसबुक वॉल से उनके गंभीर हालात की जानकारी आप लोगों से साझा किया था। श्री हिमांशु जी हमारे साथ 1997 , 98 से संगठन में काम कर रहे थे उससे पहले एन एस यू आई में काम कर रहे थे जब मैं जिला युवा कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बने तब उन्हें

महासचिव बनाया था फिर जिला कांग्रेस कमिटी में मेरे साथ काम किए फिर जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष बने और लगातार किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष करते थे उन्हें जिला कांग्रेस कार्यालय में एक बृहद किसान महापंचायत का आयोजन किया था जिसमें तत्कालीन किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नाना पटोले जी आए थे और मधुबनी जिला से सभी बड़े सम्मानित नेता जी लोग भी भाग लिए थे कार्यक्रम के बाद हमे श्री नाना पटोले जी हिमांशु जी के बारे में विस्तृत जानकारी लिए और पूछे कि इनको प्रोन्नति किया जय तो मैने उन्हें कहा निश्चित रूप से उन्हें प्रोन्नति किया जाय फिर हिमांशु जी बिहार किसान कांग्रेस के अध्यक्ष बने जीवनपर्यंत रहे। जब मैं हेरिटेज अस्पताल में दूसरी बार मिले तब वे हमसे बहुत देर तक बातचीत किया और अपने दिल की बात हमसे साझा किए उस समय उनकी पत्नी भी थीं उसे अपने स्वास्थ के बारे में सब कुछ मालूम था उसने हमे अपने परिवार और बच्चों के बारे में कुछ बातें कही आज हिमांशु जी हमलोगों के बीच नहीं हैं लेकिन मैं वादा करता हूं उन्होंने जो कुछ मुझ से कहा था अपने परिवार के बारे में जब कभी भी हमारी जरूरत होगी मै एक बड़े भाई की तरह हर संभव मदद को तैयार रहूंगा ये मेरा वादा है वे पार्टी के कार्यक्रमों में बढ़चढकर भाग लेता था और कार्यक्रम आयोजित भी करता था पार्टी ने एक सच्चा सिपाही खोया है। तीसरी बार मैं अपने सम्मानित नेता भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय गृहराज्य मंत्री माननीय डॉ शकील अहमद जी के साथ मिला था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

मुंबई। मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर में, डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 134 वीं जयंती के अवसर पर लक्ष्मी बाई गवस सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की तरफ से मनसे विभाग प्रमुख रवि गवस की अगुवाई में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नवी मुंबई के तेरेना हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम मौजूद रही। इस शिविर में संपूर्ण शरीर की जांच कर डॉक्टर के द्वारा लोगों को उचित सलाह दी गई, वहीं आंखों की जांच कर कम लागत में चश्मा का वितरण किया गया। लगभग सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहकर इस शिविर का लाभ उठाएं। लगभग कई वर्षों से रवि गवस के द्वारा 13 अप्रैल को मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है इसके माध्यम से रवि गवस डॉक्टर बाबा साहब अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

सुमय्या अली महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई। 10/04/2025 रोजी चंद्रपुर के सीडीसीसी बैंक सभागृह में महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार का कार्यक्रम लिया गया इस कार्यक्रम में सुमय्या अली इन्हे महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया सुमय्या अली पिछले कई सालों से सामाजिक कार्य करते आरहे हैं यह सामाजिक कार्यो की दखल लेते हुए इन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया इस समय सुमय्या अली इन्हें सम्मान चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया पुरस्कार देते वक्त सुमय्या अली इनके कामों की तारीफ भी की गई यह पुरस्कार दर्पण पत्रकार संपादक फाउंडेशन रेलयात्री एकता मजदूर संघ विश्व ह्यूमन राइट और इनफॉरमेशन राइट असोशियन इनकी ओर से दिया गया इस समय प्रमुख अतिथि सुधीरमुनगंटीवार(माजी वन, संस्कृतिक मंत्रीचंद्रपुर) किशोर जोरगजवार (आमदार चंद्रपुर), सुदर्शन मुम्मका(पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर), संतोष रावतकर (सडीसीसी बैंक अध्यक्ष), शिल्पा तेलांगे (अभिनेत्री), तुळशीराम जांभुळकर(इंडिया 24 न्यूज मुख्यसंपादक चंद्रपुर) डॉ.अभिलाषा गांवतुरे, आदि मान्यवर उपस्थित थे पुरस्कार मिलने के बाद सुमय्या अली इनका सभी ओर अभिनंदन हो रहा है।

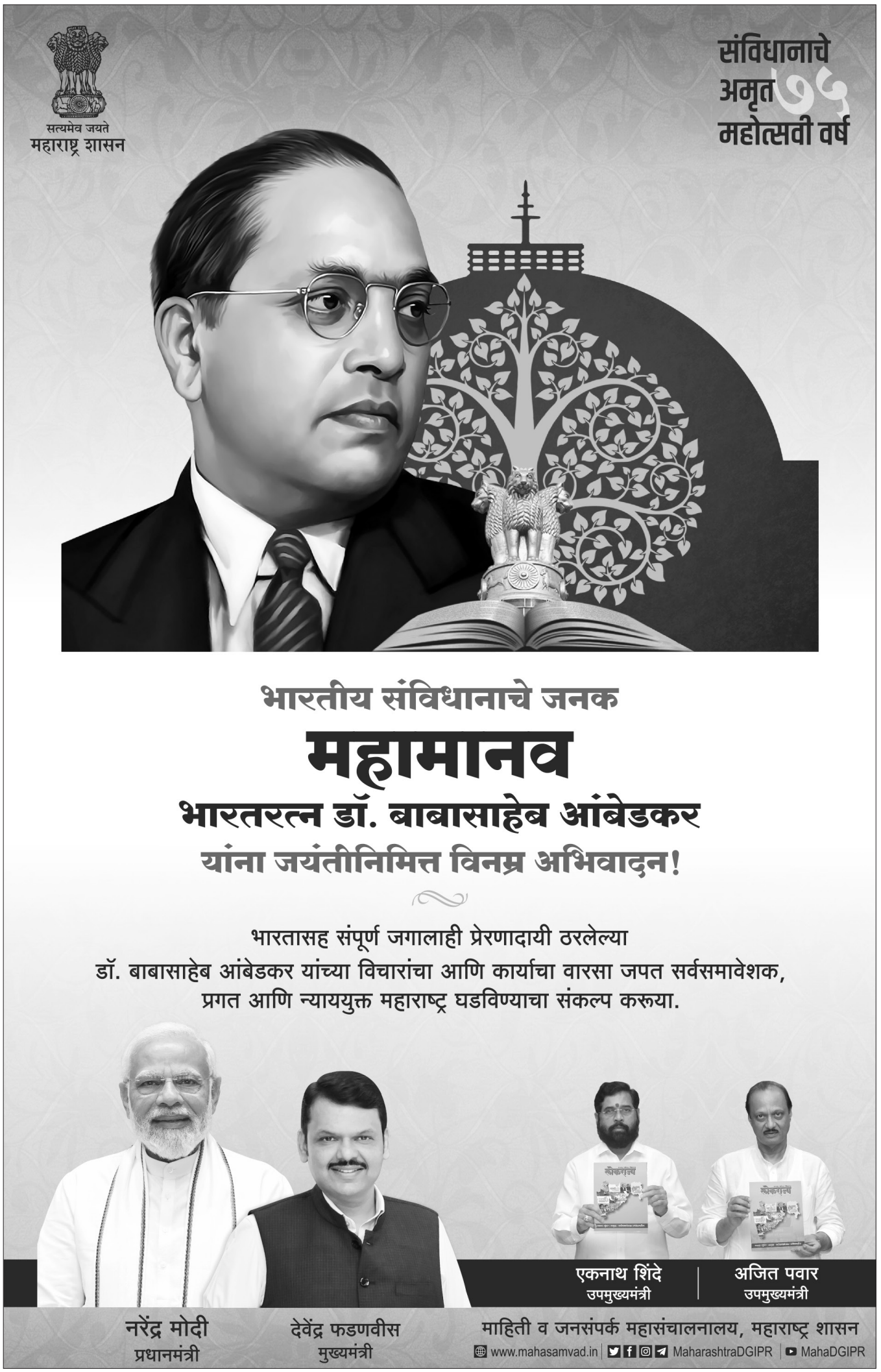

DGIPR/2025-26 / C 189

सियाचिन में ऑपरेशन मेघदूत के 41 साल पूरे हुए

सियाचिन के सपूतों को हिंदुस्तान का सलामः विश्व के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र पर फहराया दिया भारत का विजयी... 'तिरंगा'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हर साल 13 अप्रैल को 'सियाचिन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो 1984 में शुरू किए गए 'ऑपरेशन मेघदूत' की याद दिलाता है। यह वह दिन है जब भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे और सबसे कठिन युद्धक्षेत्र – सियाचिन ग्लेशियर पर अपने झंडे गाड़े थे। बता दें कि वर्ष 1984 में पाकिस्तान की संभावित सैन्य कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद भारत ने सियाचिन ग्लेशियर पर रणनीतिक स्थानों को सुरक्षित करने के लिए ऑपरेशन मेघदूत शुरू किया।

- मेघदूत दुनिया का अब तक का सबसे लंबा सैन्य अभियान
- 13 अप्रैल 1984 को शुरू हुआ था ऑपरेशन मेघदूत
- सियाचीन मतलब आम आदमी का जीना मुश्किल
- सियाचीन में बर्फ की मोटी चादर लगातार खिसकती रहती है

भारतीय सैनिकों का बिलाफोंड ला और सियाला दर्रों पर कब्जा

जिसके बाद 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सैनिकों ने बिलाफोंड ला और सियाला दर्रों पर कब्जा कर लिया और पूरे सियाचिन क्षेत्र पर अपना नियंत्रण ले लिया। यह ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल एम.एल. छिब्बर, लेफ्टिनेंट जनरल पी.एन. हून और मेजर जनरल शिव शर्मा के नेतृत्व में शुरू हुआ था। इसमें भारतीय सेना और वायुसेना के बीच बेहद मजबूत तालमेल देखने को मिला। इस वर्ष ऑपरेशन मेघदूत की 41वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह दिन उन वीर सियाचिन योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा की और दुश्मनों की हर कोशिश को नाकाम किया। आज भी भारतीय जवान जमे हुए सीमांत की रक्षा में तैनात हैं और अपने अटूट हौसले और निष्ठा के साथ देश की सीमाओं को सुरक्षित रख रहे हैं। ध्यान रहे कि सियाचिन में तैनात भारतीय सेना के वीर भारत माता की सुरक्षा के लिए -50 डिग्री तापमान, तेज बर्फीली हवाएं और बेहद कठिन इलाके का सामना करते हुए हर पल देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं।

क्यों है सियाचिन इतना खास?

सियाचिन ग्लेशियर का क्षेत्र पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), अक्साई चिन और शक्सगाम घाटी से सटा हुआ है, जिसे पाकिस्तान ने 1963 में चीन को सौंप दिया था। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इलाका है क्योंकि इससे दुश्मन की हरकतों पर नजर रखी जा सकती है। इसके साथ ही यह स्थान लेह से गिलगित आने-जाने वाले रास्तों को भी नियंत्रित करता है, जिससे इसकी सैन्य और रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

भारतीय वायुसेना की अतुल्य भूमिका

ऑपरेशन मेघदूत में भारतीय वायुसेना की एक अतुल्य भूमिका रही। वायुसेना ने एएन-12, एएन-32 और आईएल-76 जैसे एयरक्राफ्ट के जरिए सैनिकों और सामान को ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्रों तक पहुंचाया। इसके बाद एमआई-17, एमआई-8, चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की मदद से सैनिकों को ग्लेशियर की ऊंची चोटियों तक पहुंचाया गया। इतना ही नहीं वायुसेना के हेलिकॉप्टर 1978 से ही सियाचिन में उड़ान भर रहे हैं, और चेतक हेलिकॉप्टर पहला ऐसा भारतीय हेलिकॉप्टर था जो अक्टूबर 1978 में वहां उतरा था।

शेख हसीना, रेहाना और बच्चों को तत्काल गिरफ्तार कर लो

मुंबई हलचल / ढाका

बांग्लादेश के एक कोर्ट ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक और 50 अन्य के खिलाफ राजनीतिक सत्ता का दुरुपयोग करके कथित अवैध भूमि अधिग्रहण के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक ढाका मेट्रोपोलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर तीन अलग-अलग आरोपपत्रों पर संज्ञान लेने केबाद यह आदेश पारित किया।

एसीसी के सहायक निदेशक (अभियोजन) अमीनुल इस्लाम के हवाले से बताया कि न्यायाधीश हुसैन ने गिरफ्तारी वारंट से संबंधित अमल रिपोर्ट की समीक्षा के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है। अदालती सूत्रों का हवाला से बताया कि एसीसी ने हाल ही में भूखंड आवंटन में भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में हसीना समेत 53 लोगों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है और सभी फरार हैं।

कोर्ट के इस फैसले के बाद शेख हसीना के विरोधियों को एक और मौका मिल गया है। अदालत ने राजुक प्लॉट आवंटन मामले में शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल और 16 अन्य के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। बता दें कि 13 जनवरी को एसीसी के उपनिदेशक ने शेख हेहाना के खिलाफ अधिकार का दुरुपयोग करके पूर्वांचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में 10 कट्टे का प्लॉट हासिल करने का केस दर्ज करवाया था। बाद में इसमें दो अन्य लोगों के नाम भी जोड़ दिए गए।

दोनों देशों के बीच रिश्तों पर बोले सांसद

भारत और यूएई के पास है दूरदृष्टि वाला नेतृत्व

मुंबई हलचल / दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सांसद अली राशिद अल नूमी ने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास दूरदृष्टि वाला नेतृत्व है। सांसद नूमी ने यह बात दुबई में चल रहे वैश्विक न्याय, प्रेम और शांति शिखर सम्मेलन में कही। रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति अध्यक्ष नूमी ने शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि अलगाव कभी समाधान नहीं रहा है।

दोनों देशों को दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे पास दूरदृष्टि वाला सही नेतृत्व है, जो चुनौतियों को समझता है और अवसरों को देख सकता है।

हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना और इस अवसर का लाभ उठाना बहुत महत्वपूर्ण है। सांसद नूमी ने आगे कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से हम जिस पुरानी व्यवस्था को जानते थे, वह अब खत्म हो चुकी है।

गांधी के मूल्यों को अपनाएं

मॉरीशस की पूर्व राष्ट्रपति अमीना गुरीब-फकीम ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित किया गया है, जब असमानताओं से निपटने की तत्काल आवश्यकता है। अनिश्चितता के इस दौर में 'समृद्ध' और 'वंचित' के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। मेरे लिहाज से असमानता सबसे खराब मुद्दा है, जिससे तत्काल निपटने की जरूरत है। अमीना ने कहा कि न्याय, शांति और प्रेम कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें महात्मा गांधी ने बहुत पहले ही मानवीय चेतना में शामिल कर दिया था। उन्होंने कहा, हमें बस उन्हें आज की कहानी में वापस लाने की जरूरत है। इसलिए, हमें इस संवाद की आवश्यकता है।

व्यापार असीमित, संवाद की जरूरत

हम बदलाव के चौराहे पर खड़े हैं। यह सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें बातचीत करने की जरूरत है, क्योंकि अलग चलने से हमें ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि हमें जीत का फॉर्मूला अपनाने के लिए एक साथ आना होगा और यह संभव भी है।

वर्तमान समय में निष्पक्ष पत्रकारिता जोखिम भरा काम है: डॉक्टर सैय्यद खालिद कैस

बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ राष्ट्रीय प्रेस अवार्ड समारोह, पश्चिम बंगाल के क्रांतिकारी पत्रकार किए गए सम्मानित

कोलकाता। पत्रकार सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस पंजीकृत की पश्चिम बंगाल इकाई के तत्वाधान में गत 11 अप्रैल 2025 को स्थानीय लीलावती देवी रिसोर्ट बाँकू बिहारी चटर्जी रोड कस्बा रथतला मिनीबस स्टैंड कस्बा कोलकाता पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय प्रेस अवार्ड समारोह2025 का आयोजन सम्पन्न हुआ। संगठन की राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं पश्चिम बंगाल इकाई की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शाश्वती दास द्वारा दी गई जानकारी अनुसार भोपाल मध्य प्रदेश से पधारे प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैय्यद खालिद कैस के मुख्य आतिथ्य ओर मुंबई महाराष्ट्र से पधारी संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमती शशि दीप मुंबई बतौर विशेष आतिथ्य में संपन्न इस भव्य समारोह में पश्चिम बंगाल के दूर दराज तक के हजारों पत्रकारों,समाजसेवियों ,मानव अधिकार कार्यकर्ताओं की विशेष उपस्थिति में यह गौरवमयी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात माता सरस्वती को स्मरण करते हुए सरस्वती वंदना का आयोजन हुआ। नन्ही मुन्नी बच्चियों ने अतिथियों का स्वागत पारंपरिक नृत्य के द्वारा किया गया। अतिथि स्वागत के बाद करीब पांच घंटे चले इस कार्यक्रम में लगभग 100 पत्रकार,समाजसेवी और प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस की पश्चिम बंगाल इकाई के तत्वाधान में संपन्न होने वाले इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के क्रांतिकारी पत्रकार रूपा चौधुरी, रवीना घोष, गुड्डू गुप्ता,अभिषेक पाल,स्वाति रॉय मित्रा, समपा दास, पुलक दास, अभिजीत सिन्हा,सुरजन सूर, भृगुराम हालदार,अखिलेश पासवान,अर्पिता दास, आदि को राष्ट्रीय प्रेस अवार्ड 2025से नवाजा गया। संगठन द्वारा इस अवसर पर पूजा यादव (सामाजिक कार्यकर्ता) मौमिता सरकाड, शुभ्रा दत्ता,मनिता करुआ (सामाजिक कार्यकर्ता), रीता रीना मुखर्जी,तापस सरदार (सामाजिक कार्यकर्ता),चयनिका दत्ता गुप्ता, मोसराफ मोल्ला,एडवोकेट आशीष कुमार रॉय,सुजोन सरकार,अमिताभ बनर्जी, श्रीमहंत रामप्रपन्न शर्मा सहित बी मिराजुल इस्लाम मंडल को भी राष्ट्रीय प्रेस अवार्ड 2025से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन प्रमुख डॉक्टर सैय्यद खालिद कैस ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि देश में निष्पक्ष पत्रकारिता पर हो रहे हमले चिन्ता का विषय हैं ऐसे में देश के प्रत्येक राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होना नितांत आवश्यक है। हमारा संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स लगातार देश भर में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए संघर्ष कर रहा है। वर्तमान संदर्भ में देश के कोने कोने से पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं के उजागर होने से यह साबित हो गया है कि वर्तमान समय में निष्पक्ष पत्रकारिता जोखिम भरा काम है। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन निष्पक्ष पत्रकारिता का समर्थक है तथा उसकी रक्षा के लिए संकल्पित है। हमारा अधिकार पत्रकार सुरक्षा कानून है। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुंबई से आई राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप ने महिला शक्ति को एकजुट होने ओर देश की मुख धारा से जुड़कर पत्रकारिता के माध्यम से समाज कल्याण का आव्हान किया।उन्होंने कहा कि देश में निष्पक्ष पत्रकारिता स्वतंत्र नहीं रही है। संगठन द्वारा उत्कृष्ट योगदान के लिए संगठन की राष्ट्रीय संगठन सचिव श्रीमती शाश्वती दास को भी सम्मानित किया गया इस सफल आयोजन में श्रीमती शाश्वती दास के अलावा रूपा चौधुरी,रवीना घोष, अभिषेक पाल,अखिलेश पासवान,गुड्डू गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का सफल संचालन अलीना भट्टाचार्य द्वारा किया गया तो अंत में आभार प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजक श्रीमती शाश्वती दास द्वारा किया गया।

कानपुर में प्रेमी का गुप्तांग चबा गया नव विवाहिता का पति, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को आपत्तिजनक हालत में देखकर उसका गुप्तांग ही चबा डाला। उसे अस्पताल में भर्ती कराये जाने के बाद पुलिस चर्चा का विषय बनी इस घटना की जांच कर रही है। घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना का संबंध बबूपुरवा थाना क्षेत्र से है, जहां मूलरूप से बेकनगंज निवासी युवक ने दो साल पहले बाबूपुरवा निवासी युवती से प्रेम विवाह किया है। पुलिस ने बताया कि वह पत्नी संग बाबूपुरवा में ही किराये के मकान में रहता है। घटना के समय वह जरूरी काम से बाहर गया था। जाते समय पत्नी से कहा था कि सुबह लौटकर आएगा। लेकिन देर रात वह बिना पत्नी को पहले से बताए घर पहुंच गया। जहां उसने पड़ोस में रहने वाले युवक और पत्नी को आपत्तिजनक हालत में देखा, जिसके फल स्वरुप वह आपा खो बैठा और पत्नी को बुरा भला कहते हुए उसने उसके प्रेमी को पीटना शुरू कर दिया। इसी घटना के दौरान पति जुबेर ने युवक असलम के प्राइवेट पार्ट को दांत से काट लिया। लहूलुहान युवक दर्द से कराहता हुआ थाने पहुंचा। बाबूपुरवा इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी ने बताया कि घायल को हैलट भेज घटना की जांच की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गोलीबार में वक्फ संशोधन बिल 2024 के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के सांताक्रूज (पूर्व) स्थित गोलीबार क्षेत्र में आज जुमे की नमाज के बाद वक्फ संशोधन बिल 2024 के खिलाफ एक ऐतिहासिक और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कब्रिस्तान के सामने जमा हुए सैकड़ों नागरिकों ने काली पट्टियाँ बाँधकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस प्रदर्शन में सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी देखने को मिली, जिसने इसे एक व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया। प्रदर्शनकारियों ने संविधान में निहित नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाई और सरकार से अपील की कि वह देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार सुनिश्चित करे। वक्ताओं ने मंच से

कहा कि वक्फ संशोधन बिल न केवल संपत्ति अधिकारों का हनन करता है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन और नागरिक समानता के सिद्धांतों को प्रभावित कर सकता है। इस विरोध प्रदर्शन का माहौल पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण रहा। कहीं कोई नारेबाजी या कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली स्थिति नहीं बनी। लोगों ने तख्तियों और बैनरों के माध्यम से अपनी बात रखी, जिन पर लिखा था - संविधान सर्वोपरि है, हम अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे और वक्फ संशोधन बिल रद्द करो। प्रदर्शन के दौरान कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखे। उनका कहना था कि इस प्रकार के कानून नागरिक स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों के विरुद्ध हैं। इस शांतिपूर्ण आंदोलन में भाग लेने वाले प्रमुख समाजसेवी और नेता थेः एडवोकेट खालिद शेख, अनवर सिद्दीकी, एजाज शेख, सलीम खान, अब्दुल रहीम शेख, अल्ताफ शेख, मोईन अजमेरी, जफरसिद्दीकी,साबिर भाई, जावेद भाई, असलम अंसारी, नईम शेख, निसार भाई, अख्तर बंगाली।

धार्मिक और सामाजिक नेतृत्व में योगदान देने वालों में शामिल रहेः मौलाना शाबान, जाहिद भाई, मौलाना बशारत नूरी, इमरान नूरी। प्रदर्शन का समापन संविधान की रक्षा करो, अपने अधिकारों की रक्षा करो जैसे जोरदार नारों और एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।

मुंबई की झोपड़पट्टी से लोकतंत्र के मंदिर तक एक चौकीदार के बेटे की प्रेरणादायक यात्रा

नई दिल्ली। भारत के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की ताकत का जीता-जागता उदाहरण हैं अमरजीत सिंह, जिन्होंने मुंबई की झोपड़पट्टियों में पले-बढ़े होने के बावजूद राज्यसभा इंटर्नशिप प्रोग्राम जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्हें यह प्रमाणपत्र भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी के हाथों नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया। अमरजीत की यह कहानी केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, आशा और दृढ़ संकल्प की प्रतीक है। एक ऐसे परिवार में जन्मे जहां उनके पिता चौकीदार की नौकरी करते थे, अमरजीत ने बलिदान, कठिन परिश्रम, सामाजिक प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक मूल्यों में अडिग विश्वास के बल पर संसद तक की यात्रा तय की। यह यात्रा आसान नहीं थी, अमरजीत कहते हैं, लेकिन भारत का संविधान अंतिम व्यक्ति को भी सपने देखने और उन्हें पूरा करने की ताकत देता है। उनके ये शब्द पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, डॉ. भीमराव आंबेडकर जी, और कांशीराम जी के उन सपनों की याद दिलाते हैं, जिन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां हाशिए पर

खड़ा व्यक्ति भी संसद तक पहुंच सके। एल.एस. रहेजा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स (मुंबई विश्वविद्यालय) से वाणिज्य में स्नातकोत्तर करने के बाद, उन्होंने भारतीय जनतांत्रिक नेतृत्व संस्थान (रंभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी) से राजनीति, नेतृत्व और सुशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। वर्तमान में वे सीए फाइनल की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे पिछले सात वर्षों से झुग्गी बस्तियों के गरीब छात्रों के लिये कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से सैकड़ों बच्चों को शिक्षा, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की दिशा मिली है। मेरे लिए शिक्षा ही संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता बनी, और मैं चाहता हूं कि यही रास्ता दूसरों के लिए भी खुले, वे कहते हैं। अमरजीत अपनी सफलता का श्रेय विश्व हिंदू परिषद के महाराष्ट्र-गोवा क्षेत्रीय प्रमुख श्री नरेश पाटिल जी को देते हैं और उन्हें अपने जीवन का मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। उनके शब्दों में, यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि भारत की बस्तियों में रहने वाले हर अनदेखे, अनसुने बच्चे की यात्रा है। आज मैं लोकतंत्र के मंदिर में एक दर्शक नहीं, बल्कि उम्मीद का प्रतिनिधि बनकर दाखिल हुआ हूं। निस्संदेह, अमरजीत की यह यात्रा भारतीय लोकतंत्र की गहराई और संविधान की शक्ति का प्रमाण है, जो हर अंतिम व्यक्ति को असंभव लगने वाले सपनों को हकीकत में बदलने की ताकत देता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सलमान खान को फिर मिली धमकी

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ की तरफ से कई बार एक्टर को धमकाया जा चुका है। उनके पनवेल स्थित फार्म हाउस की रेकी तक की गई थी। लेकिन टाइट सिक्योरिटी की वजह से ये हमला टल गया था। लगातार मिल रही इन धमकियों के बावजूद सलमान खान अपने काम को लेकर एक्टिव रहे। उन्होंने अपने काम से समझौता नहीं किया। 2024 में सलमान और उनके घरवालों को सबसे बड़ा झटका लगा था। एक्टर के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की गई थी। तब सुबह के करीब 5 बजे हुए थे। हमलावरों ने कुल 5 राउंड फायरिंग की थी। इसमें से चार फायर सलमान के घर की तरफ किए गए और एक गोली बिना फायर के जमीन पर गिरी।

एफडी कराने वालों को झटका!

ब्याज दरों में इस बदलाव के साथ-साथ बैंक ने अपनी लोकप्रिय अमृत कालश एफडी स्कीम को भी बंद कर दिया है। हालांकि, एसबीआई की दूसरी विशेष एफडी योजना अमृत वृष्टि अभी जारी है और इस योजना के तहत निवेशकों को 7.05% का ब्याज मिलेगा। यह फैसला उन ग्राहकों को प्रभावित कर सकता है जो आने वाले समय में लॉन्ग टर्म की एफडी या विशेष योजनाओं में निवेश की योजना बना रहे हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में आंशिक बदलाव किया है। ये नई दरें 15 अप्रैल 2025 से लागू होंगी और केवल कुछ चयनित अवधियों पर प्रभावी होंगी।

5 साल में करीब 1,000 मिनट ठप रहा यूपीआई!

हालांकि अप्रैल में यूपीआई के ठप पड़ने का आंकड़ा अभी एनपीसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। एनपीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, एनपीसीआई को वर्तमान में रुक-रुक कर तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आंशिक रूप से यूपीआई लेनदेन में गिरावट आ रही है। इससे हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। जुलाई 2024 में सबसे लंबे समय तक 207 मिनट यूपीआई ठप रहा। हालांकि यूपीआई का अपटाइम (वह अवधि जिसके दौरान लेनदेन सेवाएं चालू रहती हैं) लगातार हर महीने 99 फीसदी से अधिक रहा है, जो भुगतान प्रणाली की कार्यक्षमता की उच्च दर को दशार्ता है। बिजनेस स्टैंडर्ड ने पिछले सप्ताह बताया था कि यूपीआई के डेटा सेंटर को संचालित करने वाले इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क में कुछ समस्या के कारण पिछले दो हफ्तों में यूपीआई में रुकावटें आई थीं। एक घंटे तक की रुकावट का मतलब है कि लगभग 4 करोड़ यूपीआई लेनदेन का प्रभावित होना। मार्च में यूपीआई के जरिये रोजाना औसतन 59 करोड़ लेनदेन हुआ। 26 मार्च को (पहली रुकावट के दिन) 55 करोड़ लेनदेन हुआ, जो इससे पिछले दिन किए गए 58.1 करोड़ लेनदेन से 7 फीसदी कम है।

'चाचा को भरोसा दिलाना पड़ता है'

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीईओ एस. आर. जनाई योजना से बंद नहर के माध्यम से बोरकरवाड़ी झील में पानी छोड़ा गया। इसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को बोरकरवाड़ी में किया। वे इस अवसर पर आयोजित जल पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। कई श्रमिकों ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ज्ञापन सौंपा था। इस कथन का जिक्र करते हुए उन्होंने सामने बैठे चाचा कुतवाल की तरफ देखा और कहा, मैंने एक सड़क के काम के बारे में आपसे बात की है, मैंने अधिकारियों से बात की है, मैंने उनसे कहा है, चाचा को विश्वास में लीजिए... इतना कहने के बाद अजित पवार कुछ क्षण रुके और फिर बोले... अरे, चाचा को विश्वास में लिए बिना कोई काम आगे नहीं बढ़ सकता, बाबा..! और श्रोतागण उनके वक्तव्य पर हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। आगे क्या चर्चा होगी, यह सोचकर अजित पवार ने कहा, मैं काका कुतवाल की बात कर रहा हूं, नहीं तो आप तुरंत कहेंगे कि दादा फिसल गए हैं, लेकिन दादा नहीं फिसले हैं, और सभी ने हंसते हुए पवार की बात का स्वागत किया।

गेहूं काटते हुए खेत में लगी आग बुझाने में जलमारा बेचारा किसान

मुंबई हलचल/संवाददाता

बिजनौर। गेहूं की फसल आजकल कटाई का काम चल रहा है।थाना मंडावर क्षेत्र के गांव मोहौंड़िया धंसी में अज्ञात कारण सेहर्षा पुत्र किशन अपने खेत पर दोपहर गेहूं काट रहा था। तभी खेत में अचानक लगती देख वह घबरा गया और उसे पर काबू पाने के लिए अपने हाथों से आग को बुझाने का प्रयास करने लगा आग तो नहीं बुछ स की लेकिन वह खुद उसकी चपेट में आ गया किशन की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के तीन पुत्र थे जिनका नाम अभय, दिनेश, चेतन उर्फ हब्बू, है।मृतक अपने छोटे पुत्र चेतन उर्फ हब्बू के साथ रहता था। मृतक का पुत्र चेतन घर से शादी में गया हुआ था। किसानों ने आग लगती देख शोर मचाते हुए अपने खेतों से उसे तरफ दौड़े देखा तो किसानों ने शोर मचा। थाना मंडावर पुलिस सूचना पाते ही कुछ समय बाद घटना स्थल पर पहुंची और मृतक को अपने कब्जे में लेकर जिला मुख्यालय पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। मृतक गरीब था बटाई पर जमीन लेकर अपना गुजारा भत्ता करता था। ग्रामीणों ने उसके परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महेश मांजरेकर, सुदेश भोसले, अनूप जलोटा, दिव्यांका त्रिपाठी और कई सितारे दत्तात्रेय माने द्वारा आयोजित आई टी एफ एस अवार्ड में आये

पद्मश्री महेंद्र कपूर अवॉर्ड से अनूप जलोटा, सुदेश भोसले सहित कई कलाकार हुए सम्मानित

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित वाई बी चव्हाण ऑडिटोरियम में आई टी एफ एस अवाड्र्स का भव्य आयोजन किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत सहित कई हस्तियां समारोह में शामिल हुईं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल करने वाले अतिथियों में शामिल थे महेश मांजरेकर, सुदेश भोसले, अनूप जलोटा, मोहम्मद फैज इंडियन आइडल के चाइल्ड सिंगर, अयान खान, विंदू दारा सिंह, हर्षदीप कौर गायिका, दिव्यांका त्रिपाठी, उषा नाडकर्णी, निकेतन धीर, डॉ. नितिन डांगे न्यूरोसर्जन और स्ट्रोक विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत रसाल, ज्वाइंट कमिश्नर शहरी विकास विभाग श्री पंकज देवरे, एडिशनल कलेक्टर, पश्चिमी उपनगर, मुंबई, स्टूडियो रिफ्यूल के कुमार, श्री अनिल कुमार गायकवाड़, उपाध्यक्ष और एमडी, एमएसआरडीसी आईएएस सूरज मंधारे, कृषि आयुक्त, मुख्य अतिथि रोहन कपूर और सिद्धांत कपूर। यह कार्यक्रम दत्तात्रेय माने द्वारा आयोजित किया गया और इसमे स्टूडियो रिफ्यूल के निमार्ता कुमार का काफी सपोर्ट रहा है। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और सांस्कृतिक व्यक्ति दत्तात्रेय माने, बालगंधर्व स्मारक समिति के संस्थापक कोषाध्यक्ष और साईदिशा प्रतिष्ठान और इंडियास टैलेंट सम्मान फोरम (आईटीएसएफ) के संस्थापक अध्यक्ष हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित आईटीएसएफ पुरस्कार 2025 की मेजबानी की। भजन सम्राट और पद्मश्री अनूप जलोटा ने कहा कि महेन्द्र कपूर के नाम से जुड़े अवॉर्ड को हासिल करना मेरे लिए गर्व की बात है। उनके गाने भारतीय लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। उनके गीत भक्ति भाव भी जगाते हैं। आयोजक दत्तात्रेय बालकृष्ण माने ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले ऑफिसर्स, हर क्षेत्र के लोगों, कलाकारों को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। बाल कलाकार को भी महेंद्र कपूर अवॉर्ड मिला। इससे उन्हें हौसला मिलेगा। इंडस्ट्री मिनिस्टर श्री उदय सामंत जी ने काफी समय दिया, इसके लिए उनका हार्दिक आभार। पद्मश्री महेन्द्र कपूर के पुत्र रोहन कपूर ने कहा कि पिता जी के नाम का अवार्ड करने के लिए जब बात शुरू हुई थी तो मैं थोड़ा घबराया था कि पता नहीं कैसे होगा मगर दत्तात्रेय जी ने इसको बड़ी खूबसूरती से और कामयाबी के साथ आयोजित किया। मैं सभी अतिथियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। महेन्द्र कपूर की तीसरी पीढ़ी सिद्धांत कपूर ने यहां परफॉर्म भी किया। सुदेश भोसले ने भी सिद्धांत की आवाज की प्रशंसा की और कहा कि जैसे महेंद्र कपूर उसको अपनी आवाज देकर गए हैं।

भारत रत्न

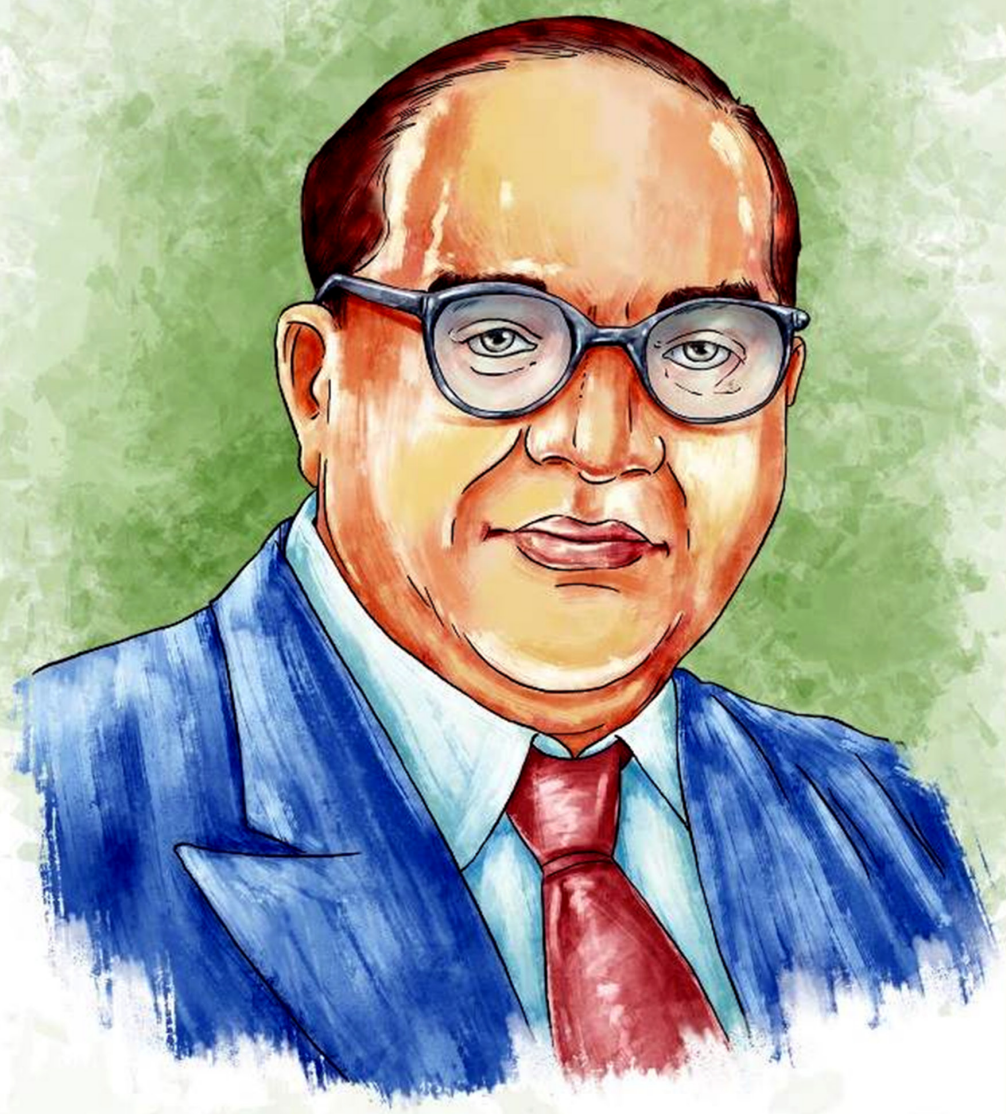

बाबा साहेब
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन

दिलशाद एस. खान
संपादक – दै. मुंबई हलचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)

"बाबा साहेब अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं थे, वे एक संकल्प का दूसरा नाम थे। वे हर अमानवीय घटना के खिलाफ आवाज उठाने वाले महापुरुष थे। हर पीड़ित व शोषित की प्रखर आवाज थे। उनको भारत की सीमाओं में बांधना सही नहीं है। हमें उनको 'विश्व मानव' के रूप में देखना चाहिए"